केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
माध्यमिक स्कूल परीक्षा (कक्षा दसवीं)
परीक्षार्थी प्रवेश–पत्र के अनुसार भरें

विषय Subject : HINDI COURSE - A

विषय कोड Subject Code : 002

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination : Thursday / 12.03.15

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : HINDI

प्रश्न पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाए : Write code No. as written on the top of the question paper :	Code Number	Set Number
	3/1	● ② ③ ④

अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका (ओं) की संख्या
No . of supplementary answer -book(s) used

विकलांग व्यक्ति : Person with Disabilities : हाँ / नहीं Yes / No : NO

किसी शारीरिक अक्षमता से प्रभावित हो तो संबंधित वर्ग में ✓ का निशान लगाएं।
If physically challenged, tick the category

B	D	H	S	C	A

B = दृष्टिहीन, D = मूक व बधिर, H = शारीरिक रूप से विकलांग, S = स्पास्टिक
C = डिस्लेक्सिक, A = ऑटिस्टिक
B = Visually Impaired, D = Hearing Impaired, H = Physically Challanged
S = Spastic, C = Dyslexic, A = Autistic

क्या लेखन – लिपिक उपलब्ध करवाया गया : हाँ / नहीं
Whether writer provided : Yes / No : NO

यदि दृष्टिहीन हैं तो उपयोग में लाए गये सोफ्टवेयर का नाम :
If Visually challenged, name of software used :

*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड़ दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।
Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 letters, write first 24 letters.

कार्यालय उपयोग के लिए
Space for office use

7502782
002/50014

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

[redacted]

खण्ड - क

ग) भारत की स्थिति अन्य देशों के मुकाबले अच्छी है।

ii) क) लड़कियों का विवाह कच्ची उम्र मे करवा देना

iii) ख) बच्चों की सेहत, शिक्षा, सुरक्षा आदि के कानून बने

iv) घ) विद्यालय और घर पर भी पिटाई होती है

v) क) वंचित बचपन

i) ख) आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी था

[redacted]

ii) क) आज़ादी के प्रति समर्पित लोगों का समूह तैयार करने के लिए

iii) ख) कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं, सभी पेशे एक-समान है

iv) ख) मर्यादाओं और मानव-मूल्यों का

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

v) क) देशभक्ति का

3 i) ख) ऊँच-नीच और असमानता

ii) भाग्य पर नहीं कर्म पर विश्वास करना चाहिए → (क)

iii) ग) तू अखंड भंडार शक्ति का ; जाग, अरे निद्रा - सम्मोहित

iv) घ) दुर्व्यवहार के प्रति आवाज उठानी चाहिए

v) क) जब गरीबी, भूख और लाचारी पर क्रोध नहीं आता

4 i) ग) प्राकृतिक आपदा

ii) ग) कोई हेलीकॉप्टर उन्हें बचाने छत पर आएगा

iii) घ) जम्मू और कश्मीर चाँद और फूल जैसा सुंदर है

iv) क) दूसरों को बचाने के कार्य मे जुटी है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4

v) ख) पूरे शहर में पानी भर गया है।

खण्ड - ख

5. क) मिश्र वाक्य

ख) जैसे ही ओले पड़ने लगे, वैसे ही मैं बाहर जाकर उन्हें देखने लगा।

ग) नवाब साहब ने कुछ देर गाड़ी की खिड़की के बाहर देखा और स्थिति पर गौर करते रहे।

6. क) सभी दर्शकों द्वारा नाटक की प्रशंसा की गई।

ख) प्रेमचंद्र ने गोदान लिखा।

ग) उससे अब भी बैठा नहीं जा सकता।

घ) इन मच्छरों में रातभर कैसे सोएं?

7. i) बालगोबिन भगत की - संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक, "देखा गया" क्रिया से संबंध

ii) उस - विशेषण, सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, विशेष्य - दिन

iii) जब - संबंधबोधक योजक
"बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया" और "उनका बेटा मरा" वाक्यों को जोड़ता है। उनमे संबंध बनाता है।

iv) मरा - क्रिया, अकर्मक क्रिया, भूतकाल, कर्तृ वाच्य, [redacted]

8. क) i) श्रृंगार रस

ii) भयानक रस

iii) हास्य रस

ख) वीर रस का स्थायी भाव "उत्साह" है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड ग

9\. क) मन्नू भंडारी के पिता की गिरती आर्थिक स्थिति का उन पर काफि असर पड़ा। उनके पिता अपने बच्चो पर ज़्यादा क्रोध करने लगे। ज़्यादा शक्की मिज़ाज के हो गए। लेखिका को अहसास होता है कि उनके पिता अपने बच्चो से भी अपनी व्यथा नही बाटते।

ख) पहले इन्दौर में उनकी आर्थिक स्थिति ज़रूर अच्छी रही होगी। तभी लेखिका ने गद्यांश में नवाबी आदतों का ज़िक्र किया है। उन्हे किसी भी चीज की कमी नहीं रही होगी।

ग) मन्नू के पिता का स्वभाव शक्की हो गया था क्योंकि उनके अपनो ने उनके साथ विश्वासघात किया था।

10\. क) लेखक नाटको में स्त्रियो की भाषा प्राकृत होने को उनकी अशिक्षा का प्रमाण नही मानता। उसने इसके विरुद्ध निम्नलिखित तर्क दिए हैं :

→ उस जमाने में प्राकृत ही प्रचलित भाषा रही होगी। इसलिए वह प्राकृत मे बोलती होंगी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

→ जब इस जमाने के पुरुष प्राकृत बोलते हैं तो उन्हे अशिक्षित होने का प्रमाण क्यो नही माना जाता।

ख) स्त्री शिक्षा के विरोधी निम्नलिखित तर्क देते हैं:
→ अगर स्त्रियाँ शिक्षित हुई, तो समाज में उनका व्यवहार बहुत बुरा हो जाएगा।
→ प्राचीन काल मे भी देखा गया है कि शकुंतला शिक्षित थी, इसलिए उसने दुश्यंत से कटुवचन बोले थे।
देवी सीता ने भी श्री राम से कटु वचन शिक्षित होने के कारण बोले थे।

ग) इस दुनिया मे बहुत सारे लोग हैं जो स्त्री शिक्षा के विरोधी हैं। ऐसे समाज मे भी स्त्रियों के प्रति ऐसी खुली सोच रखना उनके खुले विचारो का प्रतीक है।
उनमें इतनी हिम्मत थी कि वे प्राचीन काल से चली आ रही सोच का खंडन कर सके।

घ) बिस्मिल्ला खाँ जीवन भर ईश्वर से यही माँगते रहे कि उनका सुर कभी न बिगड़े।
वह जानते थे कि उनकी इस समाज जो भी इज्जत है, वह उनकी सुरीली शहनाई की धुन की बदौलत है। अगर उनका सुर बिगड़ा तो उनकी इज्जत

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

नहीं रहेगी। इसलिए वह दिखावे का कोई मोल नहीं रखते थे।
इससे पता चलता है कि वह कितने सरल स्वभाव के थे और वास्तविकता में विश्वास रखते थे।

ङ) काशी में हो रहे निम्नलिखित परिवर्तन उन्हे व्यथित कर रहे थे :
→ अब वहा कला की उतनी कद्र नहीं होती जितनी पहले हुआ करती थी।
→ अब वहा देसी दुकाने जैसे कचौड़ियो की, मलाई बरफ आदि मिट रही थी।
→ अब वहा प्राचीन काल के लोक गीत शैलिया जैसे झुमरी, चैती आदि का कोई ज़िक्र भी नहीं करता था।

11. क) 'राख जैसा' मुख्य गायक की बिगड़ते हुए सुर की दबती आवाज के लिए प्रयुक्त हुआ है।
जब गायक सुर से दूर जाने लगता है और उसकी आवाज बिखरने लगती है तक ऐसा प्रतीत होता है कि राख जैसा कुछ गिर रहा हो उसकी आवाज में।

ख) जब मुख्य गायक गाने के ऊँची लयो मे खो जाता है और उसका गला बैठने लगता है तक उसकी प्रेरणा भी साथ छोड़ देती है। गाने में वह उत्साह जैसे गुम हो जाता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) "इसका" मुख्य गायक के लिए प्रयुक्त हुआ है।

12 क) जब कोई चीज वास्तव मे नहीं होती लेकिन हमे इसकी होने की अनुभूती होती है, उसे मृगतृष्णा कहते है। ज्यादातर इसे रेगिस्तान मे देखा जाता है जब पानी के होने की अनुभूती होती है।
कविता मे इसका प्रयोग जीवन में आने वाले उपलब्धियों और बड़े बनने की चाहत के लिए हुआ है।
जीवन मे कभी कोई संतुष्ट नही रहा है। उसे जितना मिलता है, उसे हमेशा उससे ज्यादा की उपेक्षा होती है।

ख) इस पंक्ति का भाव है कि जब सुख आने का अवसर होता है, अगर वह उस समय न आए और बाद में आए, तो उसका कोई मोल नही रहता।

ग) 'कन्यादान' कविता मे जिस लड़की की शादी हो रही थी, उसे दुख बाँचना नही आता था।
वह अभी भी बहुत सरल और सीधी थी। उसे सुख की कल्पना थी लेकिन जीवन मे आने वाले दुखो की नहीं थी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

घ) 'कन्यादान' कविता की माँ परंपरागत माँ से भिन्न थी क्योंकि वह अपनी बेटी को सिखा रही थी कि अगर उसके साथ शोषण हो तो वह उसका विरोध करे।
आमतौर पर माँ अपनी बेटी को ससुराल ढलने के लिए कहती है लेकिन इन्होंने इसके विपरीत उसे सारे काम कुशलता से करने को कहा पर किसी के आगे कमजोर रहने को नही कहा। उसे हमेशा निडर रहने की सलाह दी।

ङ) माँ की सीख मे ससुराल में हो रहे शोषण की तरफ संकेत किया गया है। किस प्रकार बहुओ के प्रति ज्यादती की जाती है। उन्हे कितना सहन करना पड़ता है।

13. देश की सीमा पर बैठे हमारी रक्षा कर रहे हमारी हमारे सैनिक भाईयों और बहनो ने हमारे सुरक्षा के लिए बहुत सारी कुर्बानियाँ दी है।
अपने घर-परिवार से कोसो दूर भारतीय सीमा पर आम नागरिको की रक्षा करना, यह कोई आसान बात नही है।
वहा पे वातावरण हमेशा सुरक्षित नही होता। कभी भी गोली बारी हो सकती है। ऐसे माहौल में वह अपना सारा जीवन बिताते है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उनके परिवार को उनका साथ सिर्फ साल के कुछ दिनो के लिए मिलता है।

कभी - कभी कुछ सैनिक अपनी जान भी गवा देते हैं हमारी सुरक्षा के लि ऐसे जावाज़ सिपाहियो से हमे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इनसे हमे जीवन मूल्यो रखने वाले असर लोगो का उदाहरण मिलता है। जैसे:

→ दूसरो की खुशी के लिए अपनी खुशी दॉव पर लगाना।

→ अपने देश के लिए मर मिटना।

→ दूसरो की सहायता और सुरक्षा के लिए हर वक्त हाजिर रहना।

ऐसे जावाज़ सिपाहियों को हमारा सलाम....

खण्ड - घ

14. विदेशों के प्रति बढ़ता मोह

यह कोई नई बात नहीं की लोगो को विदेश जाने का बहुत शौक है। वहा के चाल - ढाल मे खुद को ढाल लेना। ऐसे बहुत से उदाहरण हैं जिसमें लोग अपने देश को छोड़कर दूसरे देश में बस जाते हैं।

परंतु कोई यह नहीं सोचता की आगे बढ़ने के दौड़ मे हम अपनी प्राचीन संस्कृती को छोड़ते जा रहे हैं। अपने के मूल्यो को भुलते जा रहे हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ऐसा बहुत सुनने को मिलता है कि लोग दूसरे देश काम के सिलसिले में जा रहे है। उनका कहना है कि उन्हे अपने देश मे वह मौका नहीं मिलता जिससे वह अपने आप को साबित कर सके।

यह कहना पूरी तरह से गलत भी नहीं होगा की विदेश मे अपने आप को साबित करने के ढेर सारे मौके होते है। वहा पे लोगो की कमाई ज़्यादा होती है जिससे लोग अपना जीवन हर सुविधा का लुफ्त उठाते हुए व्यतीत कर सकते है। पूरे परिवार के लिए यह बहुत लाभकारी है। बच्चो के लिए अच्छे स्कूल, बूढ़ो के लिए अच्छे अस्पताल और अच्छा इलाज। सब कुछ वहा बहुत अच्छा है जो सबको आकर्शित करता है।

विदेश मे रहने से लोगो के रहन-सहन मे परिवर्तन आता है जिससे उनके जीवन जीने का अलग तरीका बन जाता है।

लोगो को यह बदलाव बहुत अच्छा लगता है।

जो लोग अपने देश मे रहते है, उन्हे इन लोगो को सुखी देखकर और आकर्षन होता है। वहा जाने की चाह और बढ़ जाती है।

पर विदेश मे रहने मे सिर्फ सुख ही नहीं होता। विभिन्न परेशानियो का भी सामना करना पड़ता है। अगर किसी को वहा पे कारोबार स्थापित करना हो, तो उसे बहुत परिश्रम करना पड़ता है। वहा रहना बहुत मुश्किल भी है।

वहाँ पे लोगो के पास पैसा ज़्यादा होता है तो खर्चा भी ज़्यादा होता है। हर चीज का दाम भी बहुत ज़्यादा होता है।

फ़ चाहे कोई विदेश मे कितना भी सुखी रह ले, अपना देश अपना ही होता है।

" चाहे घूमो उत्तर-दक्षिण,
चाहे घूमो पूरब-पश्चिम,
इस सोन चिरैया का कोई मुकाबला नहीं "

असल सुख अपने भारत देश में ही है।

भारत माता कि छाँव मे हमे जो सुरक्षा मिलती है, वह दूसरे किसी देश मे नही मिल सकती।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

15.

पत्र लेखन

5, सुनहरी कोलनी,
प्रताप नगर,
नई दिल्ली - 102152

दिनांक - 12.03.15

प्रिय मित्र सुरेश,
खूब स्नेह!

कैसे हो? आशा करती हूं खुश होगे। यहां पे भी सब कुशल है। परिक्षाएं बस खतम हुई है। नए साल और नई साल की तैयारी चल रही है। तुम्हारी भी परिक्षाएं खत्म हो चुकी होंगी।
एक दिन मुझे तुम्हारा एक दोस्त मिला था और बातों-ही-बातो मे मुझे पता चला की हाल ही मे तुम्हारी अपने किसी दोस्त से लड़ाई हुई जिसमें गलती तुम्हारी थी। देखो दोस्त! लड़ाई-झगड़ा तो दोस्ती की पहचान होती है। हम दोनो मे ही कितनी लड़ाइयाँ हुई है। कभी भी किसी भी झगड़े को इतना मत बढ़ाना की सुलह करनी मुश्किल हो जाए। अगर गलती तुम्हारी है तो माफी मांगने मे भी मत हिचकिचाना।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आशा करती हूं की तुम्हे मेरी बात समझ आई होगी। अब जल्दी से उस दोस्त से सुलह कर मजे करो।

तुम्हारी दोस्त,
क. ख. ग

16 सार लेखन : शीर्षक - मधुर वचन

मधुर वचन सुनकर सबका हृदय प्रसन्न हो जाता है। मधुर वचन मीठी औषधि के समान लगते हैं तो कड़वे वचन तीर के समान चुभते हैं। मधुरवचन न केवल सुननेवाले अपितु बोलनेवाले को भी आत्मिक शांति प्रदान करते हैं। जो व्यक्ति अपनी वाणी का दुरुपयोग करते हैं, उन्हे संसार में अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा खोनी पड़ती है। दुर्वचन समाज में ईर्ष्या, द्वेष, लड़ाई आदि दुर्गुणो को जन्म देते हैं। मधुर वचन संसार में प्रेम, भाईचारा तथा सुखो का संचार करते हैं। मानव को संसार की सुख-शांति के लिए वाणी का सदा सदुपयोग करना चाहिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in